श्रव्य की शक्ति – नीति परिप्रेक्ष्य, आवश्यकता और दायरा

शर्ली जेकब, प्रसार भारती

नमस्कार

"आवाज़ दिलों के दरवाज़े खोल देती है,
शब्दों से कहीं ज़्यादा गहरा असर छोड़ती है।"

सीखने में उपयोग किए जाने वाले **श्रव्य** (ऑडियो) उपकरण

श्रव्य शक्ति हर जगह है।
आपकी जेब में, चलते-फिरते।

श्रव्य शक्ति अंतरंग है।
चलिए, थोड़ा व्यक्तिगत हो जाते हैं।

श्रव्य शक्ति उत्तेजक है।
अच्छा या बुरा, खुश या दुखी।

श्रव्य शक्ति शैक्षिक अनुभव को अधिक आकर्षक, सुलभ और प्रभावी बनाकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

श्रव्य शक्ति संसाधनों का उपयोग संचार कौशल का समर्थन करने, अवधारणाओं को समझाने और समझ में सुधार करने के लिए किया जा सकता है।

उनका उपयोग अन्य मीडिया के साथ मिलकर बहु-संवेदी सीखने का अनुभव बनाने के लिए भी किया जा सकता है।

शैक्षिक संसाधनों में श्रव्य (AUDIO) की शक्ति

बेहतर जुड़ाव और समझ

Enhanced Engagement and Comprehension

सुलभता और समावेशिता

Accessibility and Inclusivity

संचार और भाषा कौशल का विकास

Development of Communication and Language Skills

लचीलापन और सुविधा

Flexibility and Convenience

सामाजिक संवाद और सहयोग

Social Interaction and Collaboration

" श्रव्य शिक्षण अक्सर ऐसे फायदे प्रदान करता है जो पाठ्य सामग्री पढ़ने से नहीं मिलते। ".

" **श्रव्य** सुनकर हम भावुक हो जाते हैं"

" **श्रव्य** नए-नए शब्द सिखाता है"

" **श्रव्य** बच्चों के शब्द भंडार को बढ़ाता है"

" **श्रव्य** लोगों को जोड़ता है"

“**श्रव्य** से बातचीत बढ़ती है"

7

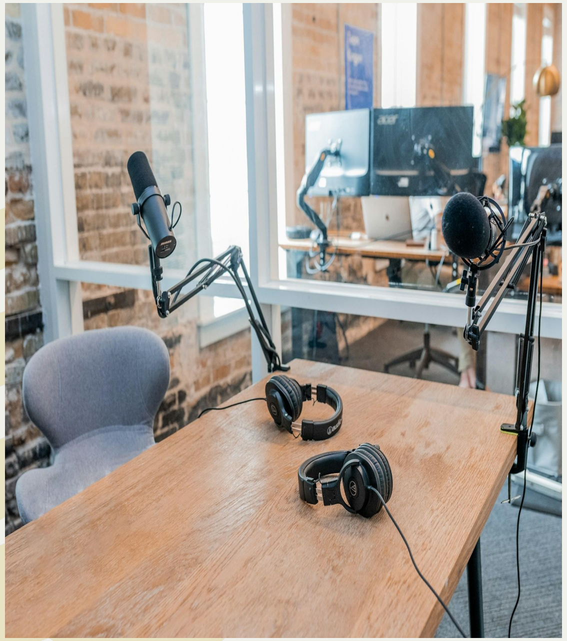

सीखने के लिए उच्च गुणवत्ता वाला ऑडियो कैसे बनाएं

1. एक अच्छा माइक्रोफोन इस्तेमाल करें
2. शांत वातावरण में ध्वन्यांकन करें
3. अपने श्रव्य सामग्री को सम्पादित करें

सीखने में श्रव्य शक्ति के फायदे

1. बेहतर याद रखने की क्षमता

2. सभी के लिए सुलभ

3. अत्यधिक सुविधाजनक

ध्वनि या श्रव्य की परिभाषा

चूंकि ध्वनि एक तरंग है, इसमें किसी भी तरंग के सभी गुण विद्यमान होते हैं।

ये गुण चार मूल तत्वों द्वारा परिभाषित होते हैं जो किसी भी ध्वनि को निर्धारित करते हैं:

1. आवृत्ति - संगीत के संदर्भ में इसे 'स्वर की ऊँचाई कहते हैं
2. आयाम - संगीत में इसे 'प्रबलता कहा जाता है
3. तरंग रूप - संगीत के परिप्रेक्ष्य में 'स्वर का रंग-रूप
4. अवधि - ध्वनि की लंबाई

ध्वनि रिकॉर्डिंग का विश्लेषण करते समय इन कारकों पर ध्यान दें:

- ध्वनि गुणवत्ता
- शोर का स्तर
- स्पष्टता
- समग्र श्रवण अनुभव

आवाज़ की गुणवत्ता और स्वर

आवाज़ के स्वर की चार विमाएँ (आयाम)

औपचारिक *(Formal)* /अनौपचारिक *(Casual)*

गंभीर *(Serious)*/ मज़ाकिया *(Funny)*

सम्मानजनक *(Respectful)*/ असम्मानजनक *(Irreverent)*/

तथ्यात्मक *(Matter-of-fact)*/ उत्साहपूर्ण *(Enthusiastic)*

सीखने में **श्रव्य** के प्रभावी उपयोग के लिए श्रेष्ठ तरीके

1. संक्षिप्त और सटीक रखें
2. बातचीत जैसी आवाज़ का प्रयोग
3. संगीत और साउंड इफेक्ट्स सोच-समझकर
4. गुणवत्ता है सर्वोपरि
5. स्पष्टता और निरंतरता

संतुलित ऑडियो अनुभव सुनिश्चित करें

सभी के लिए सुलभ बनाएं

निरंतर सुधार के लिए तैयार रहें

परीक्षण और संशोधन

शिक्षार्थियों को नियंत्रण देना न भूलें

वर्णन : जटिल विषयों को समझाने में सहायक।
पॉडकास्ट : विषयों पर गहराई से चर्चा।
साक्षात्कार : विशेषज्ञों की राय।
ध्वनि प्रभाव और संगीत: ध्यान आकर्षित करने और भावना जोड़ने के लिए।
इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पॉन्स (IVR): भाषाई प्रशिक्षण और ग्राहक सेवा में प्रयोग।
श्रव्य किताबें(**ऑडियोबुक्स):** साहित्य से जुड़ाव।
व्याख्यान ध्वन्यालेखन(**लेक्चर रिकॉर्डिंग्स):** पुनरावलोकन के लिए।
श्रव्य खेल (**ऑडियो गेम्स):** मनोरंजक और इंटरएक्टिव।
संगीत: सांस्कृतिक या भावनात्मक सीखने के लिए।

शिक्षा में श्रव्य के प्रकार:

भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और डिजिटल SHIKSHA के संसाधन

- डिजिटल मंच
- ई-सामग्री विकास
- ए.आई AI (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) और बड़ा डेटा

- खुले शैक्षिक संसाधन
- राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच (NETF).

NEP-2020

- वर्चुअल लैब
- डिजिटल भंडार (रिपॉजिटरी)
- शिक्षक प्रशिक्षण

- ज्ञान साझा करने के लिए डिजिटल अवसंरचना (DIKSHA):

श्रव्य में वो जादू है जो बिना देखे भी रूह को छू जाता है।

धन्यवाद

शर्ली जेकब, प्रसार भारती
26.05.2025